Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः
Call: 08674827268

Kiara ID: 500/1503 **Date:** 12/05/2020 **Validity :** 3 Months Only

नाम: Reshma J. Patel	जन्म तिथि: 07/10/1983	जन्म समय: 20:10 hrs.
जन्म स्थान: Mumbai	मांगलिक योग: NO	इष्ट देव: Surya Dev
लग्न: Mesh Lagna	राशि: Tula	नक्षत्र: Chitra - 4

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Mangal	50%	Surya	90%
2.	Chandra	25%	Budh	35%
3.	Shani (उच्च)	70%	Guru	100%
4.	Rahu (व)	50%	Shukra	50%
5.			Ketu (व)	50%
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): ① शश नामक पंचमहापुरुष योग : (Achive = 70%) हक की कमाई खाने वाली, न्यायधीश के समान personality, Colour down रहेगा घर का सुख, वाहन का सुख।

3. कुण्डली दोष: विष योग, सूर्य ग्रहण योग, गुरु चाण्डाल योग : (सूर्य के उपाय व उपाय अवश्य करें!) & गुरु के उपाय करवायें। दोष शान्त होंगे!

4. शुभ दिन: मंगलवार, सोमवार, शनिवार

5. शुभ रंग: (लाल, सफेद, काला) अशुभ :- (हरा, पीला, मरून)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. मूँगा	9+	Left	Ring	मंगलवार को सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में शुक्ल पक्ष में धारण करें (8:15 AM)
2. मोती	9+	Left	Little	सोमवार को चाँदी में शुक्ल पक्ष में धारण करें। (8:15 AM)
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. **वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):**

माणिक, पन्ना, पुखराज, ओपल, हीरा, लहसुनिया आदि रत्न भूलकर भी धारण ना करें

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** बुध देव : बुध का दान करने से शरीर में रोग कम होंगे।

सूर्य देव : सूर्य के उपाय व दान से रोग कम होंगे तथा cant care ठीक रहेगा।

9. **रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : सूर्य, बुधदेव, केतु, गुरु के दान व पाठपूजन व उपाय की मदद से रोगों को तथा परेशानियों का दूर किया जाएगा!

Comments:

Aggressive, जिद्दी, गुस्सैल Nature रहेगा! मन अशान्त रहेगा!

सूर्य की स्थिति खराब होने के कारण love life disturb होने का योग बनेगा, Courtcase, कर्ज, शत्रु आदि परेशान करेंगे। तथा पेट से सम्बन्धित समस्या होगी, Stones or problems, किडनी की समस्या आदि बढ़ सकती है। पेट का operation का योग बनेगा इस सूर्य की दशा! उपाय की मदद से समस्याएँ समाप्त होंगी!

मंगल & शुक्र की स्थिति पंचम भाव में होने से तलाक की स्थिति बनेगी! मंगल का सूँगा धारण करने से तथा शुक्र का दान करने से तलाक की स्थिति नहीं बनेगी। Married life अच्छी चलेगी! एवम् सूर्य के दान अवश्य करना है। दान एवम् उपाय आगे Report में follow करना है।

Thursday को केले के पेड़ को जल दें तथा केले के पेड़ की पूजा करें। समस्याएँ समाप्त होंगी तथा पीली वस्तु का दान करें!

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

☺ हल्दी की गाँठ (5-7) जल प्रवाह करने से husband के साथ relation मधुर होंगे तथा तनाव भी कम होगा। Savings बढ़ेगी! (Thursday को करना है)

☺ मोती (Pearl) धारण करने से दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। चेहरे का रंग साफ होगा! मन शान्त रहेगा!

दशा :- शनि की महादशा : 14/05/2018 to 13/05/2037 (अच्छी दशा) (70%)

शनि | शनि | मंगल : 07/05/20 to 09/07/20 : अच्छा समय
[मूँगा धारण करने से मन की इच्छाएं पूर्ण हो सकती हैं। समस्याएं Control होंगी]
└ [गुरु तथा सूर्य, शुक्र के उपाय नियमित रूप से करें]
[बहुत जल्द समस्याएं दूर होंगी]

शनि | शनि | राहु : 10/07/20 to 21/12/2020 : अच्छा समय. (90%)
[गुरु, सूर्य, शुक्र के दान Continue रखें!]

Note

शनि देव की ढैया चल रही है 24/01/2020 से ! इसलिए

Must

{ शनि का दान व मंत्र जाप एवं उपाय सूर्यास्त के बाद June 2022 तक अवश्य करें! अच्छा कर्म करें! शनि का पाप प्रभाव कम होगा! रोजाना सोने से पहले ॐ शं शनैश्चराय नमः का जाप करें (5-10 mints) पीपल को जल दें तथा दीपक जलाएं (After Sunset). (सरसों का तेल शनिवार को दान करें!)

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	**सूर्य देव को रोजाना जल देना,** तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय: **(शुक्रवार को करना है)**	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।** हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है) & (अमावश्या के दिन)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011503 Date: 12/05/2020

Reshma J.Patel

07 Oct 1983 08:10 PM

Mumbai

Reshma J.Patel

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011503 Date: 12/05/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **07/10/1983**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **20:10:00 ांटे**
इष्ट	: 34:08:22 घटी
स्थान	: **Mumbai**
राज्य	: Maharashtra
देश	: India

अक्षांश	: 18:58:00 उत्तर
रेखांश	: 72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 19:31:20 घंटे
वेलान्तर	: 00:11:57 घंटे
साम्पातिक काल	: 20:34:03 घंटे
सूर्योदय	: 06:30:39 घंटे
सूर्यास्त	: 18:22:32 घंटे
दिनमान	: 11:51:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 20:07:58 कन्या
लग्न के अंश	: 23:20:50 मेष

चैत्रादि संवत / शक	: 2040 / 1905
मास	: आश्विन
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 1
तिथि समाप्ति काल	: 14:03:28
जन्म तिथि	: 2
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: चित्रा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 22:05:19 घंटे
जन्म नक्षत्र	: चित्रा
सूर्योदय कालीन योग	: वैधृति
योग समाप्ति काल	: 27:01:22 घंटे
जन्म योग	: वैधृति
सूर्योदय कालीन करण	: बव
करण समाप्ति काल	: 14:03:28 घंटे
जन्म करण	: बालव
भयात	: 50:43:56
भभोग	: 55:32:15
भोग्य दशा काल	: मंगल 0 वर्ष 7 मा 5 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: मेष – मंगल
राशि–स्वामी	: **तुला – शुक्र**
नक्षत्र–चरण	: **चित्रा – 4**
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
योग	: वैधृति
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: व्याघ्र
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: री–रीतिका
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला

ात चक्र	
मास	: माघ
तिथि	: 4-9-14
दिन	: गुरुवार
नक्षत्र	: शतभिषा
योग	: शुक्ल
करण	: तैतिल
प्रहर	: 4
वर्ग	: सिंह
लग्न	: कन्या
सूर्य	: कन्या
चन्द्र	: मीन
मंगल	: तुला
बुध	: कर्क
गुरु	: वृश्चिक
शुक्र	: धनु
शनि	: सिंह
राहु	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	23:20:50	402:52:10	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	———
सूर्य			कन्या	20:07:58	00:59:14	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	सम राशि
चंद्र			तुला	05:31:31	14:16:03	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल			सिंह	11:05:16	00:37:04	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			कन्या	04:13:18	01:31:45	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु			वृश्चि	14:09:05	00:10:21	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	07:30:38	00:39:04	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि			तुला	10:48:00	00:06:56	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	24:20:28	00:08:07	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:20:28	00:08:07	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	12:40:05	00:02:35	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	———
नेप			धनु	03:04:13	00:00:57	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	———
प्लूटो			तुला	05:12:12	00:02:21	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	———
दशम भाव			मक	12:30:16	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	राहु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:31

लग्न–चलित

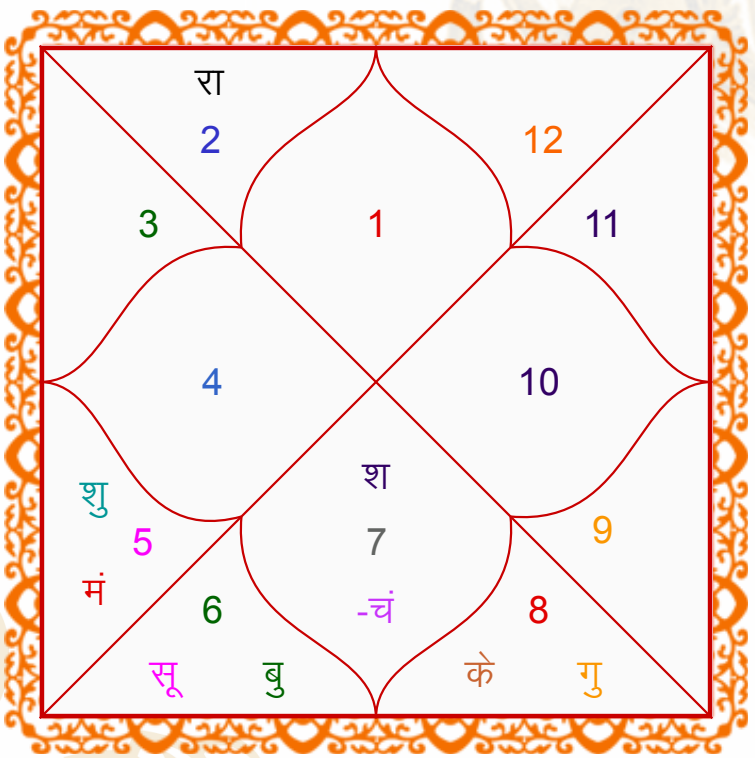

चन्द्र कुंडली

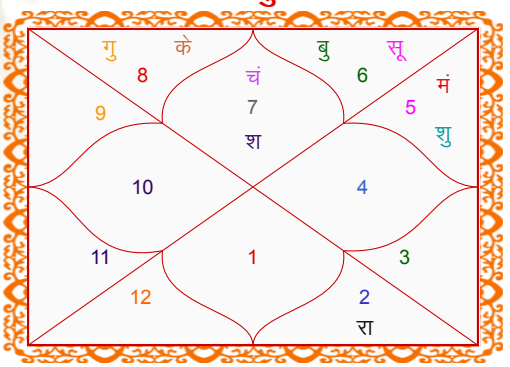

नवमांश कुंडली

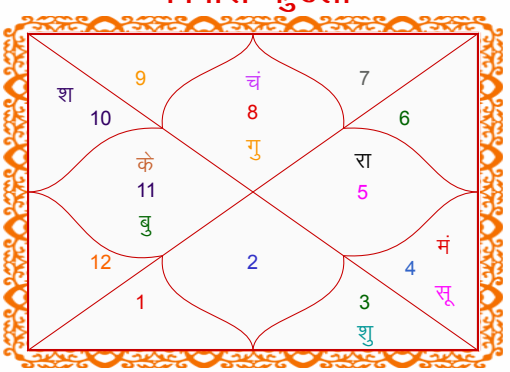

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	7	9	4	56	17	16	57
सप्तवर्गज बल	101	101	139	158	173	94	150
ओजयुग्मक बल	0	15	15	15	0	0	15
केन्द्र बल	15	60	30	15	30	30	60
द्रेष्काण बल	0	0	0	0	0	0	15
कुल स्थान बल	123	185	188	244	219	140	297
कुल दिग्बल	23	32	10	16	7	52	56
नतोन्नत बल	21	39	39	60	21	21	39
पक्ष बल	55	110	55	55	5	5	55
त्रिभाग बल	0	60	0	0	60	0	0
अब्द बल	0	15	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	30	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	0	45	0
होरा बल	60	0	0	0	0	0	0
अयन बल	46	45	43	31	2	44	47
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	182	268	136	176	89	116	140
कुल चेष्टाबल	0	0	19	23	20	43	5
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	0	0	12	1	-15	0	0
कुल षट्बल	388	537	381	486	354	394	507
रूप षट्बल	6.5	9.0	6.4	8.1	5.9	6.6	8.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.3	1.5	1.3	1.2	0.9	1.2	1.7
संबंधित पद	3	2	4	6	7	5	1

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	12.97	6.85	8.99	35.67	18.31	26.71	17.24
कष्ट फल	42.97	52.82	48.04	11.60	41.61	26.99	12.96

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	381	394	486	537	388	486	394	381	354	507	507	354
भावदिग्बल	30	20	40	60	10	10	0	50	50	60	40	20
भावदृष्टि बल	16	52	36	12	14	0	10	20	6	8	55	76
कुल भाव बल	428	466	562	610	412	496	404	451	410	575	602	450
रूप भाव बल	7.1	7.8	9.4	10.2	6.9	8.3	6.7	7.5	6.8	9.6	10.0	7.5
संबंधित पद	9	6	4	1	10	5	12	7	11	3	2	8

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

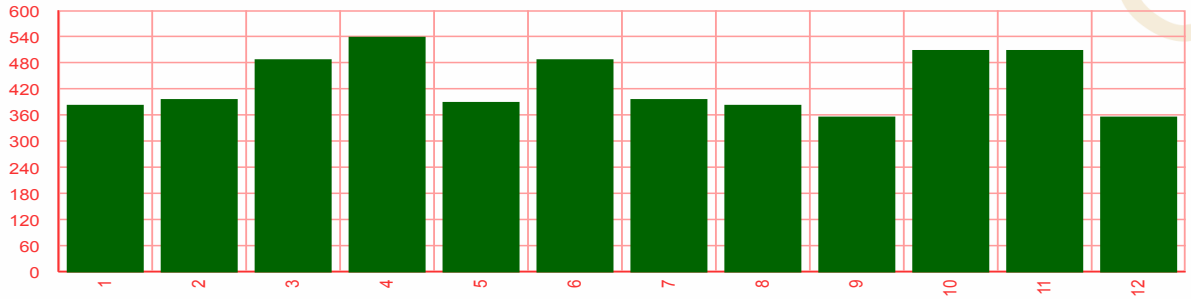

भावदिग्बल

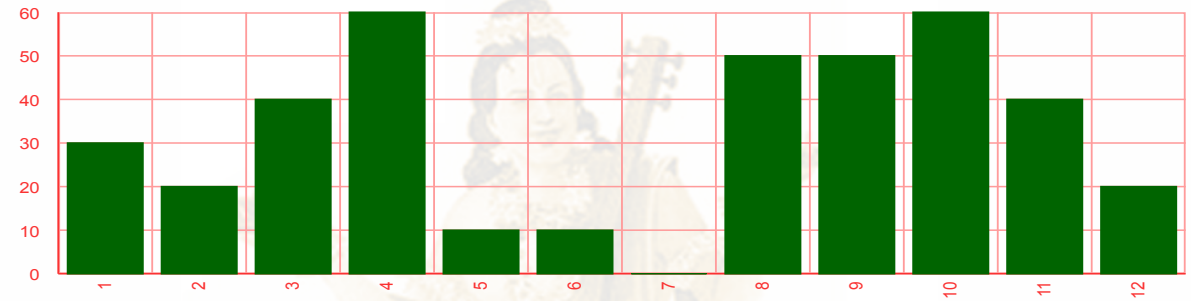

भावदृष्टि बल

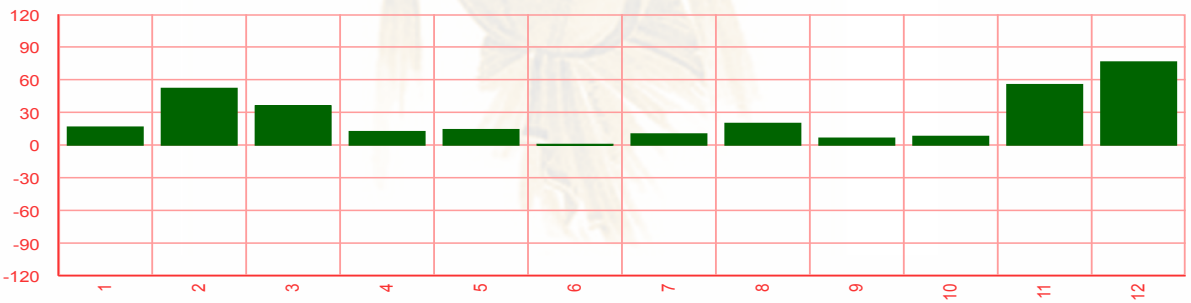

भाव बल

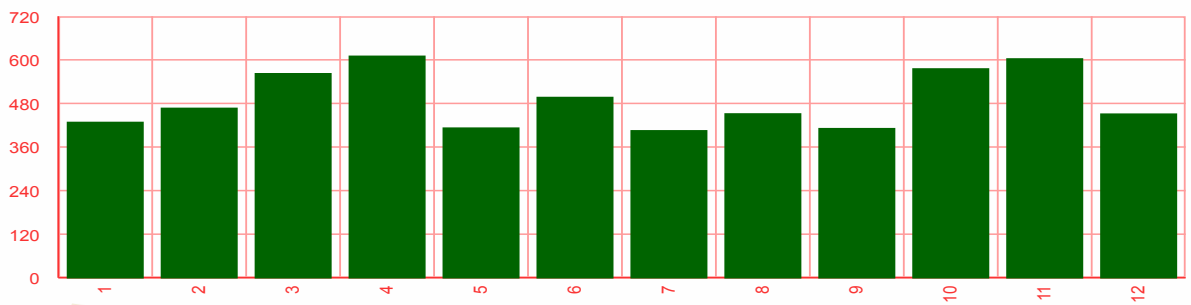

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 7 मास 5 दिन

मंगल 7 वर्ष	
07/10/1983	
13/05/1984	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	07/10/1983
सूर्य	13/10/1983
चंद्र	13/05/1984

राहु 18 वर्ष	
13/05/1984	
14/05/2002	
राहु	24/01/1987
गुरु	19/06/1989
शनि	25/04/1992
बुध	12/11/1994
केतु	01/12/1995
शुक्र	01/12/1998
सूर्य	25/10/1999
चंद्र	25/04/2001
मंगल	14/05/2002

गुरु 16 वर्ष	
14/05/2002	
14/05/2018	
गुरु	01/07/2004
शनि	12/01/2007
बुध	19/04/2009
केतु	26/03/2010
शुक्र	24/11/2012
सूर्य	12/09/2013
चंद्र	12/01/2015
मंगल	19/12/2015
राहु	14/05/2018

शनि 19 वर्ष	
14/05/2018	
13/05/2037	
शनि	16/05/2021
बुध	25/01/2024
केतु	04/03/2025
शुक्र	04/05/2028
सूर्य	16/04/2029
चंद्र	15/11/2030
मंगल	25/12/2031
राहु	31/10/2034
गुरु	13/05/2037

बुध 17 वर्ष	
13/05/2037	
14/05/2054	
बुध	10/10/2039
केतु	06/10/2040
शुक्र	07/08/2043
सूर्य	13/06/2044
चंद्र	12/11/2045
मंगल	09/11/2046
राहु	29/05/2049
गुरु	04/09/2051
शनि	14/05/2054

केतु 7 वर्ष	
14/05/2054	
13/05/2061	
केतु	10/10/2054
शुक्र	10/12/2055
सूर्य	16/04/2056
चंद्र	15/11/2056
मंगल	13/04/2057
राहु	02/05/2058
गुरु	07/04/2059
शनि	16/05/2060
बुध	13/05/2061

शुक्र 20 वर्ष	
13/05/2061	
13/05/2081	
शुक्र	12/09/2064
सूर्य	12/09/2065
चंद्र	14/05/2067
मंगल	13/07/2068
राहु	14/07/2071
गुरु	14/03/2074
शनि	13/05/2077
बुध	13/03/2080
केतु	13/05/2081

सूर्य 6 वर्ष	
13/05/2081	
14/05/2087	
सूर्य	31/08/2081
चंद्र	02/03/2082
मंगल	07/07/2082
राहु	01/06/2083
गुरु	19/03/2084
शनि	01/03/2085
बुध	06/01/2086
केतु	14/05/2086
शुक्र	14/05/2087

चंद्र 10 वर्ष	
14/05/2087	
13/05/2097	
चंद्र	13/03/2088
मंगल	12/10/2088
राहु	13/04/2090
गुरु	13/08/2091
शनि	14/03/2093
बुध	13/08/2094
केतु	14/03/2095
शुक्र	12/11/2096
सूर्य	13/05/2097

मंगल 7 वर्ष	
13/05/2097	
00/00/0000	
मंगल	10/10/2097
राहु	28/10/2098
गुरु	04/10/2099
शनि	13/11/2100
बुध	10/11/2101
केतु	08/04/2102
शुक्र	08/06/2103
सूर्य	08/10/2103
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - शनि	
14/05/2018	
16/05/2021	
शनि	04/11/2018
बुध	08/04/2019
केतु	11/06/2019
शुक्र	12/12/2019
सूर्य	04/02/2020
चंद्र	06/05/2020
मंगल	09/07/2020
राहु	21/12/2020
गुरु	16/05/2021

शनि - बुध	
16/05/2021	
25/01/2024	
बुध	03/10/2021
केतु	29/11/2021
शुक्र	12/05/2022
सूर्य	30/06/2022
चंद्र	20/09/2022
मंगल	16/11/2022
राहु	13/04/2023
गुरु	22/08/2023
शनि	25/01/2024

शनि - केतु	
25/01/2024	
04/03/2025	
केतु	17/02/2024
शुक्र	25/04/2024
सूर्य	15/05/2024
चंद्र	18/06/2024
मंगल	11/07/2024
राहु	10/09/2024
गुरु	03/11/2024
शनि	06/01/2025
बुध	04/03/2025

शनि - शुक्र	
04/03/2025	
04/05/2028	
शुक्र	13/09/2025
सूर्य	10/11/2025
चंद्र	14/02/2026
मंगल	23/04/2026
राहु	13/10/2026
गुरु	17/03/2027
शनि	16/09/2027
बुध	27/02/2028
केतु	04/05/2028

शनि - सूर्य	
04/05/2028	
16/04/2029	
सूर्य	21/05/2028
चंद्र	19/06/2028
मंगल	10/07/2028
राहु	31/08/2028
गुरु	16/10/2028
शनि	10/12/2028
बुध	28/01/2029
केतु	17/02/2029
शुक्र	16/04/2029

शनि - चंद्र	
16/04/2029	
15/11/2030	
चंद्र	03/06/2029
मंगल	07/07/2029
राहु	02/10/2029
गुरु	18/12/2029
शनि	19/03/2030
बुध	09/06/2030
केतु	13/07/2030
शुक्र	17/10/2030
सूर्य	15/11/2030

शनि - मंगल	
15/11/2030	
25/12/2031	
मंगल	09/12/2030
राहु	08/02/2031
गुरु	03/04/2031
शनि	06/06/2031
बुध	02/08/2031
केतु	26/08/2031
शुक्र	01/11/2031
सूर्य	21/11/2031
चंद्र	25/12/2031

शनि - राहु	
25/12/2031	
31/10/2034	
राहु	29/05/2032
गुरु	15/10/2032
शनि	29/03/2033
बुध	23/08/2033
केतु	23/10/2033
शुक्र	15/04/2034
सूर्य	06/06/2034
चंद्र	31/08/2034
मंगल	31/10/2034

शनि - गुरु	
31/10/2034	
13/05/2037	
गुरु	04/03/2035
शनि	28/07/2035
बुध	06/12/2035
केतु	29/01/2036
शुक्र	01/07/2036
सूर्य	17/08/2036
चंद्र	02/11/2036
मंगल	26/12/2036
राहु	13/05/2037

बुध - बुध	
13/05/2037	
10/10/2039	
बुध	15/09/2037
केतु	05/11/2037
शुक्र	01/04/2038
सूर्य	15/05/2038
चंद्र	27/07/2038
मंगल	17/09/2038
राहु	27/01/2039
गुरु	24/05/2039
शनि	10/10/2039

बुध - केतु	
10/10/2039	
06/10/2040	
केतु	31/10/2039
शुक्र	31/12/2039
सूर्य	18/01/2040
चंद्र	17/02/2040
मंगल	09/03/2040
राहु	02/05/2040
गुरु	20/06/2040
शनि	16/08/2040
बुध	06/10/2040

बुध - शुक्र	
06/10/2040	
07/08/2043	
शुक्र	28/03/2041
सूर्य	19/05/2041
चंद्र	13/08/2041
मंगल	12/10/2041
राहु	16/03/2042
गुरु	01/08/2042
शनि	12/01/2043
बुध	08/06/2043
केतु	07/08/2043

बुध - सूर्य	
07/08/2043	
13/06/2044	
सूर्य	23/08/2043
चंद्र	18/09/2043
मंगल	06/10/2043
राहु	21/11/2043
गुरु	02/01/2044
शनि	20/02/2044
बुध	04/04/2044
केतु	22/04/2044
शुक्र	13/06/2044

बुध - चंद्र	
13/06/2044	
12/11/2045	
चंद्र	26/07/2044
मंगल	25/08/2044
राहु	11/11/2044
गुरु	19/01/2045
शनि	10/04/2045
बुध	23/06/2045
केतु	23/07/2045
शुक्र	17/10/2045
सूर्य	12/11/2045

बुध - मंगल	
12/11/2045	
09/11/2046	
मंगल	03/12/2045
राहु	27/01/2046
गुरु	16/03/2046
शनि	12/05/2046
बुध	02/07/2046
केतु	24/07/2046
शुक्र	22/09/2046
सूर्य	10/10/2046
चंद्र	09/11/2046

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - राहु	
09/11/2046	
29/05/2049	
राहु	29/03/2047
गुरु	31/07/2047
शनि	26/12/2047
बुध	06/05/2048
केतु	29/06/2048
शुक्र	01/12/2048
सूर्य	17/01/2049
चंद्र	04/04/2049
मंगल	29/05/2049

बुध - गुरु	
29/05/2049	
04/09/2051	
गुरु	16/09/2049
शनि	25/01/2050
बुध	22/05/2050
केतु	10/07/2050
शुक्र	25/11/2050
सूर्य	05/01/2051
चंद्र	15/03/2051
मंगल	02/05/2051
राहु	04/09/2051

बुध - शनि	
04/09/2051	
14/05/2054	
शनि	06/02/2052
बुध	25/06/2052
केतु	21/08/2052
शुक्र	01/02/2053
सूर्य	22/03/2053
चंद्र	12/06/2053
मंगल	08/08/2053
राहु	03/01/2054
गुरु	14/05/2054

केतु - केतु	
14/05/2054	
10/10/2054	
केतु	22/05/2054
शुक्र	16/06/2054
सूर्य	24/06/2054
चंद्र	06/07/2054
मंगल	15/07/2054
राहु	06/08/2054
गुरु	26/08/2054
शनि	19/09/2054
बुध	10/10/2054

केतु - शुक्र	
10/10/2054	
10/12/2055	
शुक्र	20/12/2054
सूर्य	10/01/2055
चंद्र	15/02/2055
मंगल	12/03/2055
राहु	14/05/2055
गुरु	10/07/2055
शनि	16/09/2055
बुध	15/11/2055
केतु	10/12/2055

केतु - सूर्य	
10/12/2055	
16/04/2056	
सूर्य	16/12/2055
चंद्र	27/12/2055
मंगल	03/01/2056
राहु	23/01/2056
गुरु	09/02/2056
शनि	29/02/2056
बुध	18/03/2056
केतु	25/03/2056
शुक्र	16/04/2056

केतु - चंद्र	
16/04/2056	
15/11/2056	
चंद्र	04/05/2056
मंगल	16/05/2056
राहु	17/06/2056
गुरु	15/07/2056
शनि	18/08/2056
बुध	17/09/2056
केतु	30/09/2056
शुक्र	04/11/2056
सूर्य	15/11/2056

केतु - मंगल	
15/11/2056	
13/04/2057	
मंगल	24/11/2056
राहु	16/12/2056
गुरु	05/01/2057
शनि	28/01/2057
बुध	19/02/2057
केतु	27/02/2057
शुक्र	24/03/2057
सूर्य	01/04/2057
चंद्र	13/04/2057

केतु - राहु	
13/04/2057	
02/05/2058	
राहु	10/06/2057
गुरु	31/07/2057
शनि	29/09/2057
बुध	23/11/2057
केतु	15/12/2057
शुक्र	17/02/2058
सूर्य	08/03/2058
चंद्र	09/04/2058
मंगल	02/05/2058

केतु - गुरु	
02/05/2058	
07/04/2059	
गुरु	16/06/2058
शनि	09/08/2058
बुध	26/09/2058
केतु	16/10/2058
शुक्र	12/12/2058
सूर्य	29/12/2058
चंद्र	26/01/2059
मंगल	15/02/2059
राहु	07/04/2059

केतु - शनि	
07/04/2059	
16/05/2060	
शनि	11/06/2059
बुध	07/08/2059
केतु	30/08/2059
शुक्र	06/11/2059
सूर्य	26/11/2059
चंद्र	30/12/2059
मंगल	23/01/2060
राहु	23/03/2060
गुरु	16/05/2060

केतु - बुध	
16/05/2060	
13/05/2061	
बुध	07/07/2060
केतु	28/07/2060
शुक्र	26/09/2060
सूर्य	14/10/2060
चंद्र	13/11/2060
मंगल	04/12/2060
राहु	28/01/2061
गुरु	17/03/2061
शनि	13/05/2061

शुक्र - शुक्र	
13/05/2061	
12/09/2064	
शुक्र	02/12/2061
सूर्य	01/02/2062
चंद्र	14/05/2062
मंगल	24/07/2062
राहु	22/01/2063
गुरु	04/07/2063
शनि	12/01/2064
बुध	03/07/2064
केतु	12/09/2064

शुक्र - सूर्य	
12/09/2064	
12/09/2065	
सूर्य	30/09/2064
चंद्र	31/10/2064
मंगल	21/11/2064
राहु	15/01/2065
गुरु	04/03/2065
शनि	01/05/2065
बुध	22/06/2065
केतु	13/07/2065
शुक्र	12/09/2065

शुक्र - चंद्र	
12/09/2065	
14/05/2067	
चंद्र	02/11/2065
मंगल	07/12/2065
राहु	09/03/2066
गुरु	29/05/2066
शनि	02/09/2066
बुध	28/11/2066
केतु	02/01/2067
शुक्र	14/04/2067
सूर्य	14/05/2067